

भक्तों का बेड़ा शिव पार करें

जटा में गंगा जी विहार करें,
भक्तों का बेड़ा शिव पार करें,
दर्शन जो एक बार करें,
भक्तों का बेड़ा शिव पार करें....

बैठे शंभू भभूति रमाए,
गले सर्पों की माला सजाए,
माथे पर चंदा उजियार करें,
भक्तों का बेड़ा शिव पार करें.....

कांधे सोहे जनेऊ सुंदर,
ओढ़े शंकर जी बाघाम्बर,
भांग धतूरे का आहार करें,
भक्तों का बेड़ा शिव पार करें....

नंदी गण शोभित हैं ऐसे,
सागर बीच कमल हो जैसे,
डमरू मधुर झंकार करें,
भक्तों का बेड़ा शिव पार करें.....

काहे उमा जो बम बम भोला,
निर्मल मन हो उसका चोला,
सत्संग जो एक बार करें,
भक्तों का बेड़ा शिव पार करें....

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/d/27863/title/bhakto-ka-beda-shiv-paar-kare>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |